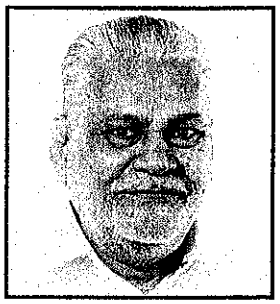

सत्यमेव जयते

मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री
भारत सरकार
MINISTER FOR FISHERIES,
ANIMAL HUSBANDRY & DAIRYING
GOVERNMENT OF INDIA

परशोत्तम रुपाला
PARSHOTTAM RUPALA

अपील

हिंदी दिवस के शुभ अवसर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

हम हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रुप में मनाते हैं, इसी दिन हिंदी भाषा को भारत की राजभाषा होने का संवैधानिक गौरव प्रदान किया गया था। तभी से यह ऐतिहासिक दिन हमारे लिए बहुत महत्व रखता है। हम हिंदी को सरकारी कामकाज की भाषा के तौर पर प्रयोग में लाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहे हैं और सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

मंत्रालयों, उसके विभागों/अधीनस्थ कार्यालयों में विशेषकर वरिष्ठ अधिकारियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपना कार्य हिंदी में करेंगे जिससे कार्यालय में राजभाषा के प्रयोग के प्रति सकारात्मक वातावरण बनेगा और साथ ही साथ कनिष्ठ अधिकारियों के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत होगा और वे राजभाषा में कार्य करने के प्रति और अधिक प्रोत्साहित होंगे। हिंदी एक सरल, समृद्ध और सशक्त भाषा है। इसकी लिपि वैज्ञानिक है तथा यह जैसे लिखी जाती है वैसे ही बोली जाती है। सरकारी कामकाज में हिंदी को आसानी से प्रयोग में लाया जा सकता है। बस यह ध्यान रखना जरूरी है कि सभी अधिकारी और कर्मचारी अनुवाद का सहारा लिए बिना अपना कार्य मूल रूप से हिंदी में करें।

हम सभी का यह उत्तरदायित्व है कि हम हिंदी के प्रयोग में आने वाली समस्याओं के कारणों का पता लगाएं और उन्हें दूर करने का भरसक प्रयास करें। अब विभिन्न हिंदी साफ्टवेयर उपलब्ध होने से अंग्रेजी जानने वाले अधिकारी/कर्मचारी भी अपना सरकारी काम बेझिझक हिंदी में कर सकते हैं। जरूरत केवल दृढ़ इच्छाशक्ति की और इस दिशा में एक सकारात्मक पहल करने की है।

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी का क्षेत्र सीधा मछुआरों तथा पशुपालकों से जुड़ा हुआ है। अतः हमें अपनी योजनाएं मूल रूप से हिंदी में तैयार करनी चाहिएं ताकि जन–जन तक हमारी पहुंच बन सके। इस प्रकार हम अपनी योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार कर सकेंगे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि मंत्रालय के सभी अधिकारी तथा कर्मचारी सहज और सरल हिंदी को अपनाएंगे तथा प्रति दिन अपना अधिक से अधिक कार्य हिंदी में ही करेंगे।

मैं मंत्रालय में हिंदी माह की सफलता की कामना करता हूं।

(परशोत्तम रुपाला)